Government Raza P.G.College, Rampur-244901

Re-Accedited 'B' Grade by NAAC "IIIrd Cycle of Accreditation" Dated- 08 FEB, 2019

Affiliated to M.J.P. Rohilkhand University, Bareilly, U.P; India

COLLEGE ACTIVITIES BULLETIN

(JULY 2019 TO SEPTEMBER 2019)

प्राचार्य संदेश

डॉ. पी. के. वार्ष्णेय
प्राचार्य

महाविद्यालय द्वारा शैक्षणिक, सह - पाठयक्रम गतिविधियों को विद्यार्थियों और अभिभावकों तक पहुंचाने के लिए इस कॉलेज एक्टिविटीज बुलेटिन का प्रकाशन किया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों संस्था के प्रति जागरूक रहेंगे और उनमें संस्था के प्रति लगाव उत्पन्न होगा। पुरातन विद्यार्थी भी संस्था की गतिविधियों से अवगत हो सकेंगे। मैं इस कॉलेज एक्टिविटीज बुलेटिन के सफल प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

डॉ. प्रीति गौतम, निवर्तमान निदेशक (उच्च शिक्षा), प्रयागराज ने वृक्ष लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

केंद्रीय पुस्तकालय पर स्वतंत्रता दिवस को प्रकाशोत्सव का दृश्य

डॉ. प्रमोद कुमार वार्ष्णेय की अध्यक्षता में 5 सितंबर 2019 को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक छात्र-छात्राएं और कर्मचारी उपस्थित रहे। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए गए असीम योगदान को याद किया गया और बच्चों को उनसे अभिप्रेरित होने की शिक्षा दी गई। शिक्षा क्षेत्र में नवाचार और कौशल विकास को अपनाने पर बल दिया गया। महाविद्यालय न केवल शिक्षित करता है बल्कि अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से सर्वांगीण विकास करता है।

डॉ. अमित अग्रवाल
(मुख्य संकलनकर्ता)

कॉलेज एक्टिविटीज बुलेटिन में दीक्षारंभ कार्यक्रम, कैरियर काउंसलिंग, राष्ट्रीय सेवा योजना का स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस, जल शक्ति अभियान, राष्ट्रीय खेलकूद दिवस, सद्भावना दिवस, वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम, नयी शिक्षा नीति प्रारूप पर संगोष्ठी, हिंदी दिवस, अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता कार्यक्रम और अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस आदि गतिविधियों की जानकारी इसमें दी गई है। इसके प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय की गतिविधियों को विद्यार्थियों, अभिभावकों और समाज तक पहुंचाना है। इसका प्रकाशन केवल संस्था के शैक्षणिक एवं अनुसंधान उद्देश्य के लिए किया गया है। इसका व्यवसायिक मूल्य शून्य हैं और इसका व्यवसायिक प्रयोग निषेध है। डॉ अमित अग्रवाल, मुख्य संकलनकर्ता/ संवाददाता; डॉ विनय कुमार शर्मा, डॉक्टर जुबैर अनीस, और डॉक्टर महेंद्र पाल सिंह यादव, संवाददाता/ संकलनकर्ता हैं।

दीक्षारंभ कार्यक्रम: कॉलेज में नए नामांकित स्नातक छात्रा-छात्राओं के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ0 पी0के वार्ष्णेय ने बताया कि प्राचीनकाल में जब छात्र शिक्षा ग्रहण करने गुरुकुल में प्रवेश करते थे, तब आश्रम के गुरुजन शिष्यों को गुरुकुल की परंपराओं से परिचित करने के लिए दीक्षारंभ उत्सव मनाते थे। भारतीय संस्कृति की इसी परंपरा का निर्वाह करते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने दीक्षारंभ के रूप में छात्र प्रेरण कार्यक्रम रखा है। छात्रा-छात्राओं का स्वागत करते हुए डॉ0 पी0 के वार्ष्णेय प्राचार्य ने कहा कि वर्ग में छात्राओं की 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। डॉ. विनीता सिंह, चीफ प्रॉक्टर ने कहा कि अनुशासन देश को महान बनाता है। कॉलेज में अनुशासित होकर शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों से व्यवहार रखकर शिक्षण ग्रहण करनी चाहिए। उन्होंने छात्राओं से कहा कि महाविद्यालय को एनएसएस, स्पोर्ट्स, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का लाभ उठाए। महाविद्यालय में संचालित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का परिचय दिया। डॉ अमित अग्रवाल ने बताया कि महाविद्यालय में मुख्य रुप से युवा उत्सव, मतदाता दिवस,वार्षिकोत्सव, हिन्दी दिवस, शिक्षक दिवस, स्वाधीनता दिवस एवं गणतंत्र दिवस पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। विभिन्न महापुरुषों एवं साहित्यकारों की जयंती भी मनाई जाती हैं।

Publiser: Govt. Raza Post Graduate College Khusro Bagh, Rampur – 244901 (UP) India
Ph : +91 - 595 - 2340111, 2340940 E-mail: mail@grpgcrampur.org, principal@grpgcrampur.org
Our College Website: www.grpgcrampur.com

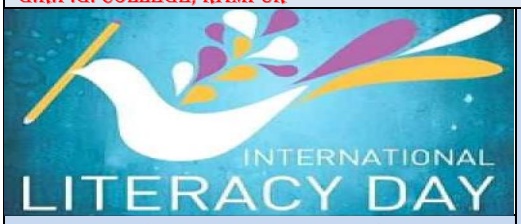

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता कार्यक्रम

इस अवसर पर रविवार को रामपुर में रैली निकाली गई। प्राचार्य डॉ0 पी0 के0 वार्ष्णेय की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता कार्यक्रम, वाद-विवाद प्रतियोगिता व गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। प्राध्यापकों के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय के प्रांगण से साक्षरता रैली निकालकर रामपुर मुख्यालय का भ्रमण किया।

हिंदी दिवस (14 सितंबर, 2019)

14 सितंबर 1949 के दिन हिंदी को राजभाषा का दर्जा मिला था। भारत में सैकड़ों भाषाएं और बोलियां बोली जाती है। संविधान सभा ने देवनागरी लिपी में लिखी हिंदी को अंग्रजों के साथ राष्ट्र की आधिकारिक भाषा के तौर पर स्वीकार किया था। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से निर्णय लिया कि हिंदी ही भारत की राजभाषा होगी। विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता व गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ0 पी0 के0 वार्ष्णेय की अध्यक्षता में व डॉ0 अरुण कुमार ने हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया जाता है। महासभा ने शांति के आदर्शों को मजबूत करने के लिए समर्पित दिन के रूप में घोषित किया है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस 2019 का विषय क्लाइमेट एक्शन फॉर पीस है। जलवायु में हो रहे परिवर्तन को विश्व की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा माना जाता है।

नयी शिक्षा राष्ट्रीय नीति के मसौदे पर आयोजित विचार संगोष्ठी

नौ सदस्यीय कस्तूरीरंगन समिति द्वारा तैयार नयी शिक्षा नीति के प्रारूप पर चर्चा जारी है। इस दस्तावेज पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने नागरिकों और संगठनों से सुझाव आमंत्रित किये हैं। केंद्र सरकार के गठन के तुरंत बाद प्रारूप के सार्वजनिक होते ही बहस इसके भाषा संबंधी हिस्से पर केंद्रित हो गयी। विवाद के माहौल में प्रस्तावों पर समुचित रूप से चिंतन नहीं हो सका है। आगामी दो दशकों से अधिक समय तक देश के शैक्षणिक भविष्य को निर्धारित करनेवाले इस प्रारूप पर देशव्यापी बहस आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2019 के प्रारूप में शिक्षण व्यवस्था को मुख्य रूप से चार भागों में बंटा गया है। पहले भाग में विद्यालयीय शिक्षा, दूसरे में उच्च शिक्षा और तीसरे में प्रौद्योगिकी, व्यावसायिक व वयस्क शिक्षा को रखा गया है। प्रारूप के चौथे भाग में राष्ट्रीय शिक्षा आयोग के जरिये शिक्षा में बदलाव लाने की बात कही गयी है. उच्च शिक्षा मसौदे के मुख्य बिंदु इसके तहत निम्न बातों को शामिल किया गया है–

उच्च शिक्षा तंत्र में व्यापक सुधार करते हुए देशभर में विश्वस्तरीय और विविध विषयों पर आधारित उच्च शैक्षणिक संस्थानों का निर्माण। व्यावसायिक शिक्षण उच्च शिक्षा में अनिवार्य अंग होगा. उच्च गुणवत्ता पर आधारित तीन प्रकार के संस्थान होंगे. पर्याप्त सार्वजनिक निवेश किया जायेगा, जिससे सार्वजनिक शिक्षा का विस्तार और विकास होगा. भौगोलिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों को वरीयता दी जायेगी. विभिन्न विषयों को संचालित करनेवाले संस्थानों में मास्टर्स, प्रोफेशनल प्रोग्राम पर विशेष फोकस किया जायेगा. चार वर्षीय बैचलर ऑफ लिबरल आर्ट्स/एजुकेशन विषय के विविध पक्षों पर केंद्रित होगा. तीन वर्षीय प्रोग्राम बैचलर डिग्री पर आधारित होगा. कोर्स के दौरान बीच में निकलने का विकल्प होंगे, इस दौरान उचित प्रमाणीकरण की व्यवस्था होगी. राष्ट्रीय शिक्षा आयोग- एक नयी शीर्ष संस्था, राष्ट्रीय शिक्षा आयोग या नेशनल एजुकेशन कमीशन का गठन किया जायेगा। यह प्रधानमंत्री के नेतृत्व में संचालित होगा। राष्ट्रीय शिक्षा आयोग देश में शिक्षा के विकास, कार्यान्वयन, मूल्यांकन और दृष्टिकोण के विकास पर काम करेगा। राज्य शीर्ष स्तर पर राज्य शिक्षा आयोग या स्टेट एजुकेशन कमीशन का गठन कर सकेंगे।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रभावी विकास और गुणवत्ता आधारित शिक्षण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नियामक तंत्र में बदलाव होगा.

नेशनल रिपॉजिटरी ऑफ एजुकेशनल डेटा सभी संस्थानों, शिक्षकों और छात्रों का रिकॉर्ड डिजिटल प्रारूप में संरक्षित करेगा। वोकेशनल एजुकेशन सभी स्कूल और उच्च शिक्षा का अभिन्न अंग होगा। नयी शिक्षा राष्ट्रीय नीति के मसौदे पर आयोजित विचार संगोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. पी.के. वार्ष्णेय ने की। इस संगोष्ठी में नयी शिक्षा नीति के मसौदे को समझाया गया। इस संगोष्ठी में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों ने अपने विचार रखें। संगोष्ठी के माध्यम से आए सुझावों को संकलित कर मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली को भेजा गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के 50 वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम

24 सितंबर 1969 को ऐच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से युवा छात्रों के व्यक्तित्व और चारित्रिक विकास के प्राथमिक उद्देश्य के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की शुरुआत की थी। एनएसएस के 50 वें स्थापना दिवस पर देशभर के विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित एक केन्द्रीय योजना है। योजना का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा देने में अनुभव प्रदान करना है| वर्ष 1969 में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना के बाद से छात्रों संख्या 40000 से बढकर मार्च 2019 के अंत तक 40 लाख से अधिक विभिन्न विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और उच्च शिक्षा के संस्थानों के छात्रों ने विभिन्न सामुदायिक सेवा कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए पंजीकृत किया है।

एन.एस.एस. स्वयंसेवियों ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर वृहद स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने विद्यालय परिसर व आसपास के क्षेत्र में सफाई की। उन्हें पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता में योगदान देने को प्रेरित किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता अभियान चलाया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

वृक्षों का संरक्षण प्रत्येक मानव का कर्तव्य है बिना वृक्षों के स्वच्छ पर्यावरण और शुद्ध ऑक्सीजन की कल्पना नहीं की जा सकती।

वृक्ष और स्वच्छता हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। वृक्ष के बिना जीवन बहुत कठिन है क्योंकि हमें स्वस्थ और समृद्ध जीवन देने में पेड़ की अहम भूमिका है।सभी लोगों को जिम्मेदारी निभाते हुए न केवल वृक्षारोपण करना चाहिए। बल्कि पौधे जब तक पूरी तरह विकसित नहीं हो जाते, उनकी उचित देखभाल भी करना चाहिए।

जल शक्ति अभियान

अगले पांच साल में हर घर को नल से जल मुहैया कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सरकार एक जुलाई से सभी राज्यों में महत्वाकांक्षी 'जल शक्ति अभियान' शुरु करने जा रही है। इसके तहत मनरेगा जैसी योजनाओं की राशि का इस्तेमाल कर परंपरागत तालाबों

और जलाशयों का संरक्षण, भूजल रिचार्ज, वाटरशेड डवलपमेंट और वृक्षारोपण पर जोर दिया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर के गैर-सरकारी संगठनों, स्कूली छात्रों, इंजीनियरिंग के छात्रों, नेहरु युवा केंद्र संगठन, राष्ट्रीय सेवा योजना, नेशनल कैडेट कोर जैसे संगठनों को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा।

सद्भावना दिवस

इसे समरसता दिवस और अक्षय ऊर्जा दिवस के तौर पर भी जाना जाता है। सद्भावना दिवस प्रतिज्ञा - "मैं ये पूरी गंभीर प्रतिज्ञा लेता हूँ कि मैं जाति, क्षेत्र, धर्म और भाषा को बिना ध्यान दिये भारत के सभी लोगों के भावनात्मक एकात्मकता और सद्भावना के लिये कार्य करुँगा। और मैं कसम खाता हूँ कि बिना हिंसा के संवैधानिक साधनों और बातचीत के द्वारा एक-दूसरे के बीच की दूरीयों को अवश्य खत्म कर दूँगा।"

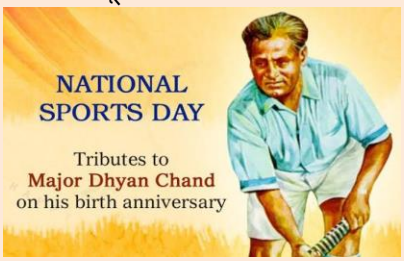

28.08.2019, राष्ट्रीय खेल दिवस हॉकी के जादूगर के नाम से प्रसिद्ध भारत के महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेजों विभिन्न खेलों के आयोजन लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए किया जाता है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है।

सही पोषण, देश रोशन' नारे के साथ जागरूकता रैली हेतु महिला प्राध्यापक

महाविद्यालय में दिन का शुभ आरंभ प्रार्थना और राष्ट्रीय गान के साथ

व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम

कैरियर काउंसलिंग सेल के तत्वावधान में में व्यक्तित्व विकास विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास के महत्व को समझाया गया। युवाओं में अपने भविष्य को लेकर चिंता तो होती है, लेकिन वे अपने अंदर की योग्यता को पहचाने बगैर माता-पिता, दोस्तों और सगे-संबंधियों के दबाव में न चाहते हुए भी उनके सपनों को पूरा करने में लग जाते हैं। ऐसे में अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों पर दबाव न बनाएं और बच्चों को भी चाहिए कि वे अपने अंदर की क्षमता का आत्मचिंतन कर मंजिल का चुनाव करें। महाविद्यालय परिसर में कैरियर काउंसलिंग सेल द्वारा व्यक्तित्व विकास विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कैरियर एडवाइजर द्वारा व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान दिया गया। किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण का होना बहुत जरूरी है। इस मौके पर मंच संचालन कैरियर काउन्सलिंग सैल के संयोजक ने किया। कैरियर काउंसलर ने छात्र-छात्राओं को अपने सकारात्मक ऊर्जा का विकास, सफलता के सूत्र, बताकर उनका मनोबल बढ़ाया।

राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर में कैरियर काउंसलिंग सेल के तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को रोजगार के लिए प्रेरित किया गया। महाविद्यालय के भौतिकी विभाग ने विज्ञान के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। वाणिज्य विभाग से संबंधित छात्र-छात्राओं को वाणिज्य के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सह संयोजक ने कला के क्षेत्र में के विभिन्न क्षेत्र में अवसरों के बारे में छात्र-छात्राओं को रूबरू कराया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ0 पी0के वार्ष्णेय ने की। इस दौरान कैरियर काउंसलिंग सेल के संयोजक व समस्त प्राध्यापक मौजूद रहे। स्कूली/विश्वविद्यालय शिक्षा के बाद कौन सा कैरियर आपके सपनों उड़ान दे सकता है? कॅरियर काउंसलर ने कुछ शंकाओं का समाधान कार्यक्रम में किया।

सवाल- क्या मैं बीएससी जेबीसी के उपरांत एम.फार्मा. कर सकता हूँ? जवाब- हाँ, आप कर सकते हैं।

सवाल- मैं एमएससी कर रहा हूँ। क्या मैं सिविल सर्विसेज में इतिहास विषय ले सकता हूँ? जवाब- हाँ आप इच्छा अनुसार कोई विषय चुन सकते हैं।

सवाल- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मैं एमएससी या पीएचडी में प्रवेश के लिए बीएससी विद्यार्थियों को कौन सी परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है? जवाब- JAM (Joint Admission Test for M.Sc.) एग्जाम

सवाल- इंटर में मेरे 46 प्रतिशत अंक आए हैं। आगे क्या कैरियर हैं? जवाब- आप कौशल विकास योजना के तहत भी तकनीकी शिक्षा ग्रहण कर नौकरी पा सकते हैं। स्नातक में प्रवेश के लिए आपको ऐसे महाविद्यालय का चयन करना चाहिए, जहाँ प्रवेश 46 प्रतिशत अंक होने पर आपका प्रवेश हो सकता है।

सवाल- भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित से इंटर में 96 फीसद अंक हैं। इंजीनियरिंग के अलावा क्या कर सकता हूँ?

जवाब- कोई भी कोर्स करने से पहले आप अपनी क्षमता पर अवश्य मंथन करें। इसके बाद ही कोई निर्णय लेना आपके लिए बेहतर होगा। आप आपके लिए परंपरागत इंजीनियरिंग के कोर्स से अतिरिक्त बी.एस.सी; बी.सी.ए; बी.बी.ए; पेट्रोलियम इंजीनियरिंग व हॉस्पिटल मैनेजमेंट जैसे कोर्स भी बेहतर रहेंगे।

सवाल- मैं बी.कॉम. कर रही हूँ और एमबीए करना चाहता हूँ। लेकिन मेरे घर वाले एम.कॉम या बी.एड. करने के लिए बोल रहे हैं। असमंजस में हूं क्या करूं ?

जवाब- प्रोफेशनल डिग्री आपके कॅरियर को नई दिशा दे सकती है। आपको आपकी मंजिल मिल जाएगी।

सवाल- 12वीं के बाद मैं बीकॉम या बीबीए करूं ? जवाब- बीकॉम के बाद आपको बैंकिंग सेक्टर में भी जाने का मौका मिल सकता है और आगे की पढ़ाई भी कर सकते हैं। यदि भविष्य में आपको एमबीए करना है तो आप बीकॉम में प्रवेश लीजिए। आपने बैंकिंग के लिए यदि इंटर में कॉमर्स लिया है तो आप बीकॉम में प्रवेश लीजिए। इसके बाद बैंकिंग या एसएससी की तैयारी कर आगे का कॅरियर संवार सकती हैं। बी.बी.ए. के बाद आपको एमबीए करना ही पड़ेगा।

सवाल- मैं अध्यापक बनना चाहता हूँ। मुझे क्या करना होगा? जवाब- यदि आप प्राइमरी में अध्यापक बनना चाहते हैं तो इंटर के पश्चात 4 वर्षीय पाठ्यक्रम प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा (D.El.Ed.) कर सकते हैं या स्नातक के बाद भी हाईस्कूल और इंटर का टीचर बनने के लिए B.Ed. की आवश्यकता होती है। डिग्री कॉलेज में प्राध्यापक बनने के लिए नेट या गेट उत्तीर्ण अथवा पीएच.डी. करने की आवश्यकता होती है।

सवाल- नेट या गेट परीक्षा के लिए न्यूनतम क्या शैक्षिक योग्यता है? जवाब- सामान्य जाति में 55 प्रतिशत अंकों (पिछड़ी जाति एवं एस.सी./एस.टी. के लिए 50 प्रतिशत अंक साथ) स्नातकोत्तर उत्तीर्ण या स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी इस परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। इस परीक्षा का आयोजन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एवं सीएसआईआर प्रतिवर्ष कराती है।

विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा से जोड़ें

अचानक थाना शाहजादनगर पहुंचे डीएम